

UPPCS PRE 24 MA ANSWER- 42

1. 'खरीफ' फसलों के सन्दर्भ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस फसलों की बुआई के समय कम तापमान और कम आर्द्रता की आवश्यकता होती है।
2. इन फसलों के उत्पादन में दक्षिण-पश्चिम मानसूनी वर्षा से लाभ होता है।
3. मूंगफली, तंबाकू, कपास इत्यादि इसका उदाहरण है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल एक
- (c) कोई नहीं
- (d) सभी तीन

1. उत्तर -(a)

'खरीफ' या वर्षा ऋतु की फसल

- इसके अंतर्गत फसलों को जून से जुलाई तक बोया जाता है तथा सितंबर-अक्तूबर में कटाई की जाती है। ये वर्षा काल की फसलें होती हैं।
- खरीफ की फसलों के उत्पादन में दक्षिण-पश्चिम मानसूनी वर्षा से लाभ होता है।
- खरीफ की फसलों की बुआई के समय अधिक तापमान और अधिक आर्द्रता की आवश्यकता होती है।
- प्रमुख फसलें धान, सोयाबीन, अरहर, तिल, मूंग, उड़द, लोबिया, ज्वार, रागी, बाजरा, मूंगफली, तंबाकू, कपास इत्यादि हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

- भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा कृषि की भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका है। वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार, देश की लगभग 55 प्रतिशत जनसंख्या कृषि और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़ी हुई है। यह एक प्राथमिक क्रिया है जिसके अंतर्गत खेती, पशुपालन एवं मत्स्यपालन तथा वानिकी आदि को शामिल किया जाता है।
- भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषता यह है कि यह देश की लगभग आधी जनसंख्या का भरण-पोषण करती है तथा कृषि आधारित उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराती है, जिनका राष्ट्रीय आय में महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारतीय कृषि मुख्यतः मानसून पर आधारित होती है, इसलिए इसे 'मानसून का जुआ' भी कहते हैं।
- देश में मृदा, जलवायु व कृषि पद्धति में अंतर होने के कारण भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न खाद्य एवं अखाद्य फसलों का उत्पादन होता है। ऋतुओं के आधार पर भारतीय कृषि को तीन वर्गों खरीफ, रबी और जायद में बाँटा गया है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी 'रबी' की फसल/फसलें है/हैं?

1. सरसों
2. आलू
3. चावल
4. चना

कूट:

- (a) केवल 2 और 3
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4

2. उत्तर -(b)

'रबी' या 'शीत ऋतु' की फसलें

- रबी या शीत ऋतु की फसलें विविधतापूर्ण जलवायु में होती है।
- बीज के अंकुरण व प्रारंभिक वृद्धि के लिए ठण्डी जलवायु व अल्प प्रकाश काल की आवश्यकता होती है, जबकि पकने के लिए अधिक तापमान एवं दीर्घ प्रकाश काल की आवश्यकता होती है।
- यह फसल शीत काल के प्रारंभिक दिनों में अक्टूबर से दिसंबर तक बोयी जाती है और फरवरी से अप्रैल तक तथा कहीं-कहीं मई तक काटी जाती है।
- इसकी प्रमुख फसलें हैं - गेहूँ, जौ, मटर, चना, सरसों, आलू, बरसीम, मसूर, अरहर आदि।

<p>(d) केवल 3 और 4</p>	<p>अतिरिक्त ज्ञान: जायद की फसलें</p> <ul style="list-style-type: none"> • खरीफ और रबी फसलों के उत्पादन के अलावा पूरे वर्ष में कृत्रिम सिंचाई की व्यवस्था से कुछ क्षेत्रों में जायद फसलों की कृषि भी की जाती है। • जायद फसल को दो श्रेणी में रखा जाता है - जायद खरीफ और जायद रबी। • 'जायद खरीफ फसल' वर्षा ऋतु के अंतिम दिनों में अगस्त से सितंबर तक बोयी जाती है और फसलों की कटाई दिसंबर से जनवरी तक होती है। इसकी प्रमुख फसलें हैं- चावल, ज्वार, सरसों, तिलहन, कपास आदि। • 'जायद रबी फसलों' का बीज फरवरी-मार्च महीने में बोया जाता है जबकि इनकी कटाई अप्रैल-मई महीने में की जाती है। इसकी प्रमुख फसलें हैं- खरबूजा, तरबूज, ककड़ी, ज्वार, मूंग, लोबिया, पत्तीदार सब्जियां आदि।
<p>3. 'फसल गहनता' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यह एक कृषि वर्ष की अवधि में कृषि योग्य भूमि की प्रति इकाई उच्च उत्पादकता का संकेत देती है। 2. भारत में फसल गहनता व्यापक स्थानिक विभेदों को दर्शाती है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 2 (b) केवल 1 (c) न तो 1, न ही 2 (d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>3. उत्तर -(d) फसल गहनता</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'फसल गहनता' के अंतर्गत एक ही खेत से एक कृषि वर्ष के दौरान कई फसलें प्राप्त की जाती हैं। • उच्च फसल गहनता का अर्थ है कि एक कृषि वर्ष के दौरान शुद्ध बुआई क्षेत्र में एक से अधिक फसल उगायी जाए। • यह एक कृषि वर्ष की अवधि में कृषि योग्य भूमि की प्रति इकाई उच्च उत्पादकता का संकेत भी देती है। • भारत में फसल गहनता व्यापक स्थानिक विभेदों को दर्शाती है। यह राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के शुष्क एवं वर्षाधीन क्षेत्रों में निम्न स्तर पर पायी जाती है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत के योजना आयोग (वर्तमान में नीति आयोग) द्वारा 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों (ACZ) की पहचान की गई है। • राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना (NARP) के अनुसार, देश को 127 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। एक कृषि-जलवायु क्षेत्र प्रमुख जलवायु के रूप में एक भूमि इकाई होती है जो फसलों और खेती करने वालों की एक निश्चित श्रेणी के लिए उपयुक्त है।
<p>4. 'चावल (Rice)' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यह प्रमुखतः खरीफ या उष्णकटिबंधीय फसल के अंतर्गत आती है। 2. भारत में कुल कृषि योग्य क्षेत्रों में सबसे अधिक क्षेत्र पर चावल की कृषि की जाती है। 3. इसकी खेती के लिये चिकनी उपजाऊ मिट्टी, औसत तापमान लगभग 25° C तथा वार्षिक वर्षा 100 सेमी. से अधिक की 	<p>4. उत्तर -(c) चावल (Rice)</p> <ul style="list-style-type: none"> • यह प्रमुखतः खरीफ या उष्णकटिबंधीय फसल के अंतर्गत आती है। हालाँकि तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल में यह जलवायु अनुकूलता के कारण तीनों फसल ऋतुओं (खरीफ, रबी एवं जायद) में उगाई जाती है। • 'ओस' (शरदकालीन), 'अमन' (शीतकालीन) व 'बोरो' (ग्रीष्मकालीन) पश्चिम बंगाल में उत्पादित चावल की तीन फसलें हैं। • चावल की खेती के लिये चिकनी उपजाऊ मिट्टी, औसत तापमान लगभग 25° C तथा वार्षिक वर्षा 100 सेमी. से अधिक की आवश्यकता होती है। • भारत में कुल कृषि योग्य क्षेत्रों में सबसे अधिक क्षेत्र पर चावल की कृषि की जाती है। बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़,

<p>आवश्यकता होती है। उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?</p> <p>(a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं</p>	<p>तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि प्रमुख चावल उत्पादक राज्य हैं।</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत में चावल उत्पादन के प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों के अंतर्गत पश्चिमी एवं पूर्वी तटीय क्षेत्र, प्रमुख डेल्टाई क्षेत्र, ब्रह्मपुत्र का मैदान, हिमालय की गिरिपद पहाड़ियाँ व तराई प्रदेश को शामिल किया जाता है। जमुना, करुणा, जया, पद्मा, काँची, कृष्णा, कावेरी, हंसा, पूसा सुगंध 5, माही-सुगंधा, बाला और रत्ना इत्यादि चावल की प्रमुख किस्में हैं। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत में चावल की खेती तीन प्रकार से होती है - बीज छींटकर, बीज-रोपण कर और छोटे पौधों का स्थानान्तरण कर। पहली विधि का उपयोग उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहाँ भूमि जोतना मुश्किल होता है। दूसरी विधि का उपयोग प्रायद्वीपीय क्षेत्र में किया जाता है। तीसरी विधि का उपयोग नदियों के डेल्टाओं तथा मैदानी क्षेत्रों में होता है।
<p>5. 'नकदी फसल' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> ये ऐसी एक कृषि फसल है जो खपत के बजाय इसके व्यावसायिक मूल्य के लिए उगाई जाती है। 'कपास' इसका एक प्रमुख उदाहरण है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 2 (b) 1 और 2 दोनों (c) न तो 1, न ही 2 (d) केवल 1</p>	<p>5. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> जिन फसलों को उपभोग के लिए न उगाकर बल्कि व्यापारिक लाभ के लिए उगाया जाता है, उन्हें हम 'नकदी फसल' या 'व्यापारिक फसल' कहते हैं। व्यापारिक फसल के अन्तर्गत निम्नलिखित फसलों को शामिल किया जाता है - मूँगफली, तम्बाकू, गन्ना, जूट, कपास, सूरजमुखी, चाय और कॉफी आदि। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> फसल का प्रकार - उदाहरण खाद्यान्न - धान, ज्वार, बाजरा और मक्का दलहन - मूँग, उड़द, सोयाबीन, लोबिया और अरहर तिलहन - सोयाबीन, मूँगफली, सूरजमुखी, तिल नकदी - कपास, जूट और तम्बाकू
<p>6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> खेतों को कीट-पतंगों तथा खरपतवारों से बचाने के लिए मुख्य फसल के साथ जो फसल उगाई जाती है उसे 'एनर्जी क्रॉप' कहते हैं। 'जेट्रोफा' एक एनर्जी क्रॉप का उदाहरण है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1 (b) न तो 1, न ही 2 (c) केवल 2 (d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>6. उत्तर -(c)</p> <ul style="list-style-type: none"> खेतों को कीट-पतंगों तथा खरपतवारों से बचाने के लिए मुख्य फसल के साथ जो फसल उगाई जाती है उसे हम 'ट्रैप क्रॉप' कहते हैं। उदाहरण के लिए कपास के पौधे पर Cotton Red Bug नामक कीटों से बचाने के लिए कपास के खेत के मेड़ के चारों तरफ भिण्डी उगा दी जाती है। जिन फसलों को एल्कोहल या बायोडीजल बनाने के लिए उगाया जाता है उन्हें हम 'एनर्जी क्रॉप' (Energy Crop) कहते हैं। उदाहरण के लिए - गन्ना, आलू, जेट्रोफा और मक्का आदि। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <p>कृषि तंत्र</p> <ul style="list-style-type: none"> कृषि को एक 'प्रक्रम' के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें मुख्यतः तीन चरण - निवेश, प्रक्रिया एवं निर्गत शामिल हैं। प्रथम चरण में निवेश के तौर पर मशीनरी, बीज, उर्वरक, श्रमिक एवं भौतिक निवेश (सौर प्रकाश, वर्षा, तापमान, मृदा, ढाल) आदि को सम्मिलित किया जाता है। दूसरा चरण 'प्रक्रिया' के रूप में संपन्न किया जाता है, जिसमें जुताई, बुआई,

छिड़काव, सिंचाई, निराई और कटाई आदि आते हैं।

- तीसरे चरण में 'निर्गतों' के अंतर्गत उपरोक्त दोनों चरणों से प्राप्त उत्पाद, जिसमें फसल, ऊन, डेयरी उत्पाद, कुक्कुट उत्पाद शामिल हैं, को लिया जाता है।

7. 'जीविकोपार्जी कृषि' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके अंतर्गत न्यूनतम भूमि से अधिकतम उपज ली जाती है।
2. इसे 'गहन कृषि' या 'जीवन निर्वाह कृषि' भी कहते हैं।
3. इस प्रकार की कृषि प्रायः मानसून एवं मृदा की प्राकृतिक उर्वरता पर निर्भर करती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) सभी तीन
- (c) कोई नहीं
- (d) केवल एक

7. उत्तर -(b)

जीविकोपार्जी कृषि (Subsistence Farming)

- इसके अंतर्गत न्यूनतम भूमि से अधिकतम उपज ली जाती है और उपज का अधिकांश भाग कृषक अपने परिवार के सदस्यों की उदरपूर्ति के लिये प्रयोग करता है।
- इस प्रकार की कृषि प्रायः मानसून, मृदा की प्राकृतिक उर्वरता और फसल उगाने के लिये पर्यावरणीय परिस्थितियों पर निर्भर करती है।
- इसे 'गहन कृषि' या 'जीवन निर्वाह कृषि' भी कहते हैं। विश्व की लगभग आधी जनसंख्या इसी कृषि पर निर्भर है।

अतिरिक्त ज्ञान:

बागानी/बागाती/रोपण कृषि (Plantation Agriculture)

- इस प्रकार की खेती बागानों तथा कृषि फार्मों पर की जाती है, जिसमें विशिष्ट प्रकार की फसलों या एकल फसलों, जैसे - रबड़, नारियल, काजू, चाय, कॉफी, केला आदि का उत्पादन किया जाता है।
- इस विधि में उन्नत बीजों एवं आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग किया जाता है; यह भी एक प्रकार की वाणिज्यिक कृषि का ही रूप है।
- रोपण कृषि अधिक पूंजी और श्रमिकों की सहायता से व्यापक क्षेत्र में की जाती है। इससे प्राप्त सारा उत्पाद उद्योगों में कच्चे माल के रूप में प्रयोग होता है।

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान 'रोम' (इटली) में है।
2. राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान 'कोलकाता' में स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) 1 और 2 दोनों
- (c) न तो 1, न ही 2
- (d) केवल 2

8. उत्तर -(c)

- अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान 'मनीला' (फिलिपीन्स) में है।
- राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (NRRI) कटक, ओडिशा में स्थित है। इसकी स्थापना 23 अप्रैल 1946 को हुई थी।
- खाद्य एवं कृषि संगठन - रोम (इटली)
- विश्व मौसम विज्ञान संस्थान - जेनेवा

अतिरिक्त ज्ञान:

- विश्व में चावल की कृषि के अन्तर्गत सबसे ज्यादा क्षेत्र 'भारत' में है। किन्तु चावल उत्पादन में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है।
- देश में मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल और असम में चावल की तीन फसल पैदा की जाती हैं –
- ओस – शरद ऋतु का फसल (मानसून काल में)
- अमन – शीत ऋतु का फसल
- बोरो – ग्रीष्म ऋतु का फसल

9. 'मक्का' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक उभयलिंगाश्रयी पौधा है।
2. यह एक 'C3 पौधा' है।
3. यह अमेरिकी मूल का पौधा है जिसे पुर्तगालियों द्वारा भारत लाया गया था।
4. इसके लिये 21°C-27°C तापमान तथा 50-70 सेमी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) सभी चार
(b) केवल तीन
(c) केवल दो
(d) केवल एक

9. उत्तर -(c)

मक्का

- मक्का एक उभयलिंगाश्रयी पौधा है। इसका तात्पर्य है कि मक्का के एक ही पौधे पर नर तथा मादा दोनों ही फूल होते हैं।
- खाद्यान्नों में सर्वाधिक कार्बोहाइड्रेट (80%) मक्का में होता है।
- यह मुख्यतः खरीफ की फसल है; यह C4 पौधों के अंतर्गत आता है। इसके लिये 21°C-27°C तापमान तथा 50-70 सेमी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।
- भारत में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार तथा छत्तीसगढ़ मक्का उत्पादन के प्रमुख राज्य हैं। इसके अतिरिक्त गुजरात, हरियाणा, पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों में भी इसे उगाया जाता है।
- मक्का, खाद्यान्न व चारा दोनों रूपों में प्रयोग किया जाता है। इसे ग्लूकोज, एल्कोहलिक पेय तथा बायोडीज़ल बनाने में भी प्रयोग किया जाता है। गंगा-5, डेक्कन-101 एवं गंगा-11 आदि मक्का की आनुवंशिक परिवर्तित उच्च किस्में हैं।
- 'मक्का' अमेरिकी मूल का पौधा है, जिसे 17वीं शताब्दी में ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा भारत में लाया गया था।

अतिरिक्त ज्ञान:

C3 पौधे

- C3 पौधों को एक सामान्य पौधे के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें प्रकाश श्वसन को कम करने के लिए कोई प्रकाश संश्लेषक अनुकूलन नहीं होता है। वे पौधे जो रुबिस्को द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड के स्थिरीकरण का उपयोग करते हैं उन्हें C3 पौधे के रूप में जाना जाता है। यह स्थिरीकरण कैल्विन चक्र द्वारा किया जाता है। लगभग 85% पौधे C3 पौधे हैं, जिनमें चावल, गेहूं, सोयाबीन और सभी पेड़ शामिल हैं।

C4 पौधे

- C4 पौधों में, प्रकाश-निर्भर अभिक्रियाएँ और कैल्विन चक्र शारीरिक रूप से विभाजित होते हैं। इसमें, प्रकाश-निर्भर अभिक्रियाएँ मीसोफिल कोशिकाओं में होती हैं। मीसोफिल कोशिका पत्ती के बीच में मौजूद स्पंजी ऊतक है। जबकि कैल्विन चक्र पत्ती की शिराओं के आस-पास विशेष कोशिकाओं में होता है। इन कोशिकाओं को बंडल-शीथ कोशिकाएँ कहते हैं।

10. 'सहकारी कृषि' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके अंतर्गत कृषक एक समझौते के तहत किसी कंपनी के लिये उत्पादन कार्य करता है।
2. इसमें कृषि उत्पादन बाजार की मांग या स्वयं की पूर्ति हेतु किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2

10. उत्तर -(a)

सहकारी कृषि (Cooperative Farming)

- इस विधि के अंतर्गत किसान आपस में मिलकर व्यावसायिक संगठन बनाकर अपनी भूमि पर कृषि कार्य संपादित करते हैं।
- इसमें कृषि उत्पादन बाजार की मांग या स्वयं की पूर्ति हेतु किया जा सकता है।
- सहकारी कृषि में वे लोग भी शामिल हो सकते हैं जो केवल कृषि मजदूर तथा भूमिहीन हैं। सहकारी कृषि से निर्यात को बढ़ावा मिलता है।
- भारत में आर्थिक कार्यक्रम समिति, 1947 की अनुशंसा पर सहकारी कृषि को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाया गया था।

अतिरिक्त ज्ञान:

<p>(b) न तो 1, न ही 2 (c) केवल 1 (d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>संविदा कृषि (Contract Farming)</p> <ul style="list-style-type: none"> संविदा कृषि के अंतर्गत कृषक एक समझौते के तहत किसी कंपनी के लिये उत्पादन कार्य करता है तथा पूर्व निर्धारित गुणवत्ता वाले उत्पादों को संबंधित कंपनी को एक निश्चित समयावधि में उपलब्ध करवाता है। इस विधि में कृषक को कंपनी द्वारा नई तकनीक एवं उन्नत किस्म के बीज व उर्वरक एवं परिवहन की सुविधा मुहैया करवाई जाती है। जैसे - मैकडोनाल्ड कंपनी भारत के कई राज्यों, यथा - हिमाचल प्रदेश से आलू की, छत्तीसगढ़ से पत्तागोभी की आपूर्ति 'संविदा कृषि पद्धति' के माध्यम से करता है।
<p>11. भारत में नलकूपों द्वारा सिंचित शीर्ष राज्य कौन-सा है?</p> <p>(a) पंजाब (b) महाराष्ट्र (c) उत्तर प्रदेश (d) बिहार</p>	<p>11. उत्तर -(c)</p> <ul style="list-style-type: none"> सिंचाई मिट्टी या कृषि क्षेत्र में पानी का कृत्रिम उपयोग है। यह वर्षा जल को किसी अन्य जल स्रोत से प्रतिस्थापित या पूरक करने की प्रक्रिया है। इसका उपयोग शुष्क क्षेत्रों में और अपर्याप्त वर्षा की अवधि के दौरान किया जाता है। सिंचाई प्रणालियों के पीछे मुख्य विचार आवश्यक जल की न्यूनतम मात्रा बनाए रखते हुए कृषि फसलों और पौधों की वृद्धि में सहायता करना, अनाज के खेतों में खरपतवार की वृद्धि को रोकना, मिट्टी के जमाव को रोकना आदि है। भारत में नलकूपों द्वारा सिंचित शीर्ष राज्य 'उत्तर प्रदेश' है। इसके बाद पंजाब और बिहार का स्थान क्रमशः दूसरे एवं तीसरे नम्बर पर है। <p>अतिरिक्त ज्ञान: भारत में जोतों का आकार</p> <ul style="list-style-type: none"> सीमांत जोत - 1 हेक्टेयर से कम - 67.10% छोटी जोत - 1-2 हेक्टेयर - 17.91% अर्ध-मध्यम जोत - 2-4 हेक्टेयर - 10.04% मध्यम जोत - 4-10 हेक्टेयर - 4.25% बड़ी जोत - 10 हेक्टेयर से अधिक - 0.7%
<p>12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> भारत में हरित क्रांति लाने का श्रेय 'डॉक्टर एम. एस. स्वामीनाथन' को जाता है। भारत में हरित क्रांति की शुरुआत वर्ष 1967-1968 में हुई थी। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 2 (b) 1 और 2 दोनों (c) न तो 1, न ही 2 (d) केवल 1</p>	<p>12. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत में 'हरित क्रांति' का सबसे अधिक प्रभाव गेहूँ और चावल की कृषि पर पड़ा है, परंतु चावल की तुलना गेहूँ के उत्पादन में अधिक वृद्धि हुई। भारत में हरित क्रांति लाने का श्रेय 'डॉक्टर एम. एस. स्वामीनाथन' को जाता है। भारत में हरित क्रांति की शुरुआत वर्ष 1967-1968 में हुई थी। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा कृषि उत्पादक राज्य है। यह देश में 'गन्ना' और 'खाद्यान्न' का सबसे बड़ा उत्पादक होने के साथ-साथ 'गेहूँ' का सबसे बड़ा उत्पादक है। चावल उत्पादन में भारत में 'पश्चिम बंगाल' शीर्ष पर है।
<p>13. 'कहवा' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p>	<p>13. उत्तर -(d) कहवा (Coffee)</p>

1. यह उष्णकटिबन्धीय आर्द्र जलवायु का पौधा है।
2. पर्वतीय तथा दोमट अथवा लावा निर्मित मिट्टी इसके लिए उपयुक्त होती है।
3. भारत में इसकी खेती दक्षिण भारत के पर्वतीय ढालों तक ही सीमित है।
4. वर्तमान समय में यह भारत की प्रमुख पेय फसल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1, 2, 3 और 4
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) केवल 1, 2 और 3

- यह उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र जलवायु का पौधा है।
- विश्व के कुल कहवा उत्पादन का मात्र 2% उत्पादन भारत में किया जाता है किन्तु, इसका स्वाद उत्तम होने के कारण इसकी माँग विदेशों में अधिक रहती है।
- 'कहवा उत्पादन' की अनुकूल भौगोलिक दशाएँ 15°C से 18°C औसत वार्षिक तापमान तथा 150 से 250 सेमी, की औसत वार्षिक वर्षा है।
- पर्वतीय तथा दोमट अथवा लावा निर्मित मिट्टी इसके लिए उपयुक्त होती है।
- भारत में दो प्रकार के कहवा की कृषि की जाती है - अरेबिका कॉफी व रोबस्टा कॉफी
- 'अरेबिका कहवा' देश के कहवा के अंतर्गत आने वाले कुल क्षेत्रफल के 60% भाग पर कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु राज्यों में बोया जाता है जबकि शेष भूमि पर 'रोबस्टा कहवा' की कृषि की जाती है।
- कहवा की खेती दक्षिण भारत के पर्वतीय ढालों तक ही सीमित है।

अतिरिक्त ज्ञान:

चाय

- वर्तमान समय में यह भारत की प्रमुख पेय फसल है।
- इसकी भौगोलिक दशाएँ 150-250 सेमी. वार्षिक वर्षा, 24°C से 30°C का उच्च तापमान, हरी एवं गंधक युक्त मृदा आदि हैं।
- यह एक श्रम प्रधान कृषि है एवं इसमें पत्तियों की चुनाई के लिए सस्ते श्रम की आवश्यकता होती है।
- जल-प्रिय पौधा होने के बावजूद इसकी जड़ों में पानी नहीं लगना चाहिए। इसी कारण इसकी खेती पहाड़ी ढालों पर की जाती है।
- ठण्डी हवा व पाला चाय की कृषि के लिए हानिकारक है।

14. 'जूट' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक रेशेदार फसल है जिससे बोरे, रस्सियाँ, कालीन, कपड़े आदि बनाए जाते हैं।
2. इसकी फसल तैयार होने में 4 से 5 माह लगते हैं।
3. भारत में पश्चिम बंगाल राज्य में सर्वाधिक जूट उत्पादन होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) 1, 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 2 और 3

14. उत्तर -(c)

जूट

- यह एक रेशेदार फसल है जिससे बोरे, रस्सियाँ, कालीन, कपड़े आदि बनाए जाते हैं।
- 'जूट' की उत्तम कृषि के लिए 25°C से 35°C का उच्च तापमान, 100 से 200 सेमी. या अधिक औसत वार्षिक वर्षा, दोमट एवं नदियों की कछारी मिट्टी तथा सस्ते श्रम की आवश्यकता होती है।
- जूट की फसल तैयार होने में 10 से 11 माह लगते हैं।
- भारत में पश्चिम बंगाल राज्य में सर्वाधिक जूट उत्पादन होता है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- 'जूट' पूर्वी भारत में मुख्य रूप से उत्पादित होने वाली एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है।
- इस फसल का उत्पादन पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिसा, उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा और मेघालय में भी होता है।
- प्रमुख रूप से जूट उत्पादित करने वाले जिले पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और ओडिसा में हैं। ये चारों राज्य देश के कुल जूट का 80 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादित करते हैं।
- 'पश्चिम बंगाल' अकेले 50 प्रतिशत जूट का उत्पादन करता है।

- बिहार में पूर्णिया तथा उत्तर प्रदेश में खीरी और बहराइच जिले जूट उत्पादन में योगदान करते हैं।

15. सूची I (मसाले) को सूची II (वानस्पतिक नाम) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. हल्दी	1. पाइपर नाइग्रम
B. काली मिर्च	2. कैप्सिकम एनम
C. लाल मिर्च	3. कुरकुमा डेमोस्टिका
D. जीरा	4. क्यूमीनम साइमीनम

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

- (a) A-3, B-1, C-2, D-4
(b) A-4, B-1, C-2, D-3
(c) A-3, B-2, C-1, D-4
(d) A-4, B-2, C-1, D-3

15. उत्तर -(a)

कुछ मसाले प्रदान करने वाले पादप व उनके वानस्पतिक नाम

- हल्दी - कुरकुमा डेमोस्टिका
- काली मिर्च - पाइपर नाइग्रम
- लाल मिर्च - कैप्सिकम एनम
- जीरा - क्यूमीनम साइमीनम

अतिरिक्त ज्ञान:

कुछ मसाले प्रदान करने वाले पादप व उनके वानस्पतिक नाम

- इलायची - इलैटेरिया कार्डामोमम
- लौंग - साइजियम एरोमैटिकम
- तेजपात - साइनेमोनम टमाला
- जायफल - मिरिस्टिका फ्रेगरेंस
- अदरक - जिंजीबार आशिसिनेलि
- धनिया - कोरिएंड्रम सेटाइवम

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में गन्ने की फसल तैयार होने में लगभग एक वर्ष का समय लगता है।
2. गन्ना की फसल तैयार होते समय वर्षा का होना काफी लाभदायक होता है क्योंकि इससे शर्करा की मात्रा में वृद्धि होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
(b) केवल 1
(c) न तो 1, न ही 2
(d) 1 और 2 दोनों

16. उत्तर -(b)

गन्ना

- इसका जन्म स्थान भारत है। यह ग्रेमिनी कुल का पौधा है।
- गन्ना उत्पादन में भारत का ब्राजील के बाद द्वितीय स्थान है, जबकि खपत और कृष्य क्षेत्र की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है।
- गन्ने की फसल तैयार होने में लगभग एक वर्ष का समय लगता है।
- उष्णकटिबंधीय तथा उपोष्णकटिबंधीय फसल होने के कारण इसके लिए 20°C से 27°C का औसत वार्षिक तापमान तथा 100 से 200 सेमी.की औसत वार्षिक वर्षा उपयुक्त होती है।
- गन्ना की फसल तैयार होते समय वर्षा का अभाव काफी लाभदायक होता है क्योंकि, इससे शर्करा की मात्रा में वृद्धि होती है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- गन्ने की प्रति हेक्टेयर उपज के आधार पर तमिलनाडु का प्रथम स्थान है और उसके बाद गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश का स्थान आता है।
- उत्पादन क्षेत्र के विस्तार के आधार पर 'उत्तर प्रदेश' का पहला स्थान है और उसके बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश का स्थान आता है।

17. 'कपास' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह अमेरिकी मूल का पौधा है जिसे पुर्तगालियों द्वारा भारत लाया गया था।

17. उत्तर -(c)

कपास

- कपास भारत का देशज पौधा है। ऋग्वेद में भी इसका उल्लेख मिलता है। भारत विश्व का ऐसा पहला देश है, जहाँ कपास की संकर किस्म विकसित की गई।
- 'काली मिट्टी' कपास के उत्पादन हेतु उपयुक्त है। कपास के रेशे बीज से प्राप्त होते

2. 'काली मिट्टी' कपास के उत्पादन हेतु उपयुक्त होती है।
3. इस फसल को उगाने हेतु उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई तथा खिली धूप की आवश्यकता होती है।
4. विश्व में कपास का सर्वाधिक उत्पादन चीन में होता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) सभी चार
- (b) केवल तीन
- (c) केवल दो
- (d) केवल एक

हैं। कपास को 'सफेद सोना' (White Gold) भी कहा जाता है।

- इस फसल को उगाने हेतु उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई तथा खिली धूप की आवश्यकता होती है।
- विश्व में कपास का सर्वाधिक उत्पादन भारत में होता है। चीन कपास के उत्पादन में दूसरे स्थान पर है।
- भारत वाणिज्यिक मांग के अनुसार, श्रेष्ठ किस्मों के 'कपास' का उत्पादन करता है, जो गौसिपियम की चार प्रजातियों के अंतर्गत उत्पादित होती हैं - जी. हर्सटम, जी. बारबाडेंस, जी. अरबोरियम और जी. हर्बेशियम।
- इनमें से सबसे ज्यादा उत्पादन 'जी. हर्सटम प्रजाति' का होता है।

अतिरिक्त ज्ञान:

आर्थिक आधार पर फसलों का वर्गीकरण

- चारे की फसलें – वरसीम, ग्वार, लोबिया आदि।
- रेशे वाली फसलें – जूट, सनई, कपास आदि।
- तिलहनी फसलें – मूंगफली, सरसों, सोयाबीन आदि।
- औषधि फसलें – पुदीना, चायपत्ती आदि।
- जड़ वाली फसलें – आलू, रतालू, मूली, गाजर आदि।
- चीनी देने वाली फसलें – गन्ना, चुकन्दर आदि।
- मसाले वाली फसलें – लहसुन, प्याज, अदरक, मिर्च, काली मिर्च, दालचीनी आदि।
- अनाज की फसलें – गेहूं, जौ, धान आदि।
- मोटे अनाज की फसलें – ज्वार, बाजरा और मक्का आदि।
- अन्य मोटे अनाज – काकून, रागी, सोवा, चना आदि।
- दलहनी फसलें – अरहर, चना, मूंग, मटर आदि।

18. 'तिल' (Brassica napus) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके बीज से 70 से 80 प्रतिशत तक तेल निकाला जाता है।
2. इसकी फसल के लिए 21° सेंटीग्रेड तापमान तथा सामान्य वर्षा उपयुक्त है।
3. इसके उत्पादन के लिए हल्की दोमट मिट्टी सर्वाधिक उपयुक्त है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

18. उत्तर -(b)

तिल (Brassica napus)

- 'तिल' के बीज से 46 से 52 प्रतिशत तक तेल निकाला जाता है।
- दक्षिण भारत में इसके तेल का उपयोग खाद्य तेल के रूप में किया जाता है। इस तेल का उपयोग इत्र, औषधि एवं अन्य रसायनों के साथ-साथ दीया आदि के ईंधन और मालिश में भी होता है।
- 'तिल' की फसल के लिए 21° सेंटीग्रेड तापमान तथा सामान्य वर्षा उपयुक्त है।
- तिल के उत्पादन के लिए हल्की दोमट मिट्टी सर्वाधिक उपयुक्त है।
- उत्तरी भारत के राज्यों में इस फसल का उत्पादन खरीफ के मौसम में होता है, जबकि दक्षिण भारत के राज्यों में रबी के मौसम में। खरीफ मौसम में जहां सिंचाई आधारित खेती की जाती है, वहां उपज कम प्राप्त होती है, जबकि रबी की फसलों से अधिक उपज प्राप्त होती है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- अरण्डी, पूर्वी अफ्रीका की मूल फसल है और भारत में इसकी खेती तेल-बीज के रूप में की जाती है।
- अरण्डी के बीज से 35 से 58 प्रतिशत तक तेल प्राप्त होता है।

	<ul style="list-style-type: none"> • अरण्डी के तेल का उपयोग स्नेहक, साबुन, पारदर्शी कागज, मुद्रक स्याही (प्रिंटिंग इंक), रोगन आदि के निर्माण में होता है। • इसका उपयोग औषधि-निर्माण एवं चमक लाने के उद्देश्य से किया जाता है। • अरण्डी का उत्पादन शुष्क, आर्द्र और 50 सेंटीमीटर से 75 सेंटीमीटर वर्षा वाले क्षेत्र में होता है। • अधिक उपज-स्तर प्राप्त करने के लिए उच्च तापमान (20° सेंटीग्रेड – 26° सेंटीग्रेड) निम्न आर्द्रता के साथ होना चाहिए।
<p>19. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:</p> <p>बोर्ड - अवस्थिति</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. काफी बोर्ड - बंगलुरु 2. रबर बोर्ड - कोट्टायम 3. चाय बोर्ड - गुवाहाटी 4. तम्बाकू बोर्ड - कोच्चि <p>उपर्युक्त में से कितने युग्म सुमेलित हैं?</p> <p>(a) तीन युग्म</p> <p>(b) चार युग्म</p> <p>(c) एक युग्म</p> <p>(d) दो युग्म</p>	<p>19. उत्तर -(d)</p> <p>कुछ महत्वपूर्ण बोर्ड व अवस्थिति</p> <ul style="list-style-type: none"> • काफी बोर्ड - बंगलुरु • रबर बोर्ड - कोट्टायम (केरल) • चाय बोर्ड - कोलकाता • तम्बाकू बोर्ड - गुंटूर (आंध्र प्रदेश) • अंगूर प्रसंस्करण बोर्ड - पुणे (महाराष्ट्र) • राष्ट्रीय मात्स्यकी बोर्ड - हैदराबाद • मसाला बोर्ड - कोच्चि (केरल) <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <p>तम्बाकू (निकोटिनिआ)</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत के कुल कृषि योग्य क्षेत्र में से मात्र 0.25 प्रतिशत क्षेत्र में तम्बाकू की खेती होती है। • तम्बाकू की 'निकोटिनिया टोबैकम' प्रजाति भारत के लगभग हर राज्य में उत्पादित होती है। 'निकोटिनिया रस्टिका' का उत्पादन उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत में होता है। • इसकी खेती 'पौध-स्थानांतरण' द्वारा होती है।
<p>20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. चाय की खेती के लिए पर्वतीय ढाल और जीवांशयुक्त उर्वर मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है। 2. भारत में चाय की खेती उत्तर भारत तक सीमित है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) 1 और 2 दोनों</p> <p>(b) केवल 2</p> <p>(c) न तो 1, न ही 2</p> <p>(d) केवल 1</p>	<p>20. उत्तर -(d)</p> <ul style="list-style-type: none"> • चाय की खेती के लिए पर्वतीय ढाल और जीवांशयुक्त उर्वर मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है। • पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में 1800 मीटर से ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में ढालानों पर चाय की खेती की जाती है। • दक्षिण भारत में केरल में मालाबार तट के पहाड़ी ढालों, तमिलनाडु में नीलगिरि, मदुरई, तिरुनेवेल्ली, कोयम्बटूर आदि जिले और कर्नाटक में शिमोगा में चाय की खेती की जाती है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत में रबड़ का उत्पादन मुख्य रूप से दक्षिणी भारत में, विशेषकर केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों में होता है। • केरल भारत का सबसे बड़ा रबड़ उत्पादक राज्य है।
<p>21. 'रबड़' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यह विषुवतीय रेखीय (उष्ण एवं 	<p>21. उत्तर -(b)</p> <p>रबड़</p> <ul style="list-style-type: none"> • यह विषुवतीय रेखीय (उष्ण एवं आर्द्र कटिबन्धीय) जलवायु में उत्पन्न होने वाला

<p>आर्द्र कटिबन्धीय) जलवायु में उत्पन्न होने वाला पौधा है।</p> <p>2. इसका मूल स्थान अमेजन नदी की घाटी (दक्षिण अमेरिका) है।</p> <p>3. भारत में केवल दक्षिण भारत में इसका उत्पादन किया जाता है।</p> <p>उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?</p> <p>(a) केवल एक</p> <p>(b) केवल दो</p> <p>(c) सभी तीन</p> <p>(d) कोई नहीं</p>	<p>पौधा है। यह एक प्रमुख प्लांटेशन फसल है।</p> <ul style="list-style-type: none"> इसका मूल स्थान अमेजन नदी की घाटी (दक्षिण अमेरिका) है। 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में, अमेजन बेसिन एवं जायरे बेसिन मिलकर विश्व का 99% प्राकृतिक रबड़ का उत्पादन करते थे। किन्तु 1950 ई. तक इनका योगदान घटकर मात्र 2% हो गया वर्तमान समय में विश्व के कुल उत्पादन का 90% भाग दक्षिण पूर्व एशिया से प्राप्त होता है। दक्षिण पूर्व एशिया में थाईलैंड, इंडोनेशिया एवं मलेशिया रबड़ के प्रमुख उत्पादक देश हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 8.5 लाख हेक्टेयर रबड़ के बागान हैं। प्रमुख रबड़ उत्पादक राज्यों में शामिल हैं - केरल, तमिलनाडु, त्रिपुरा और असम। रबड़ की खेती का एक बहुत बड़ा हिस्सा, लगभग 5 लाख हेक्टेयर, दक्षिणी राज्यों केरल और तमिलनाडु के कन्याकुमारी ज़िले में स्थित है। <div data-bbox="576 701 1506 925"> <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> केंद्रीय उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण और प्रशिक्षण संस्थान - फरीदाबाद टिट्टी चेतावनी संगठन - जोधपुर कृषि विपणन एवं निरीक्षण देशालय - फरीदाबाद राष्ट्रीय पौध संरक्षण एवं प्रशिक्षण स्थान - हैदराबाद </div>
<p>22. निम्नलिखित में से कितनी 'गाय' की प्रजाति/प्रजातियाँ हैं/हैं?</p> <p>1. साहीवाल</p> <p>2. सिन्धी</p> <p>3. माण्डा</p> <p>4. औंगोल</p> <p>कूट:</p> <p>(a) सभी चार</p> <p>(b) केवल एक</p> <p>(c) केवल दो</p> <p>(d) केवल तीन</p>	<p>22. उत्तर -(d)</p> <ul style="list-style-type: none"> साहीवाल - साहीवाल गाय मुख्य रूप से पंजाब, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में मिलती है। सिन्धी - सिन्धी गाय गहरे लाल या भूरे रंग की और मोटे सींग वाली होती है। यह प्रजाति उच्च दुग्ध उत्पादन करने वाली गाय है। माण्डा - भैंस की यह प्रजाति आंध्र प्रदेश में पायी जाती है। औंगोल - यह आंध्र प्रदेश में पाई जाने वाली गाय की एक प्रजाति है। इसे 'नेल्लौर' के नाम से भी जाना जाता है। <div data-bbox="576 1305 1506 1641"> <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> करण स्विस - यह साहीवाल और भूरे स्विस की संकर गाय की प्रजाति है। ये मुख्यतः उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक में पायी जाती हैं। हरियाणा - दिल्ली और हरियाणा में पायी जाने वाली गाय की एक नस्ल है, जो उजले और हल्के धूसर रंग की होती है। गिर - गिर गाय गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों में पायी जाती है। </div>
<p>23. निम्नलिखित में से कौन-सी 'भैंस' की प्रजाति/प्रजातियाँ हैं/हैं?</p> <p>1. थारपारकर</p> <p>2. मेहसाना</p> <p>3. कंकरेज</p> <p>कूट:</p> <p>(a) केवल 1 और 2</p> <p>(b) केवल 2</p>	<p>23. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> थारपारकर - राजस्थान और गुजरात में पायी जाने वाली गाय की एक किस्म है, जिसे उजली सिन्धी के नाम से भी जाना जाता है। यह उजले रंग की होती है। मेहसाना - यह गुजरात में पायी जाने वाली भैंस की एक प्रजाति है जो मुरी और सुर्ती की संकर से उत्पन्न प्रजाति है। कंकरेज - इसे बन्नाय या नागू नाम से भी जाना जाता है। गाय की यह किस्म राजस्थान और गुजरात में पायी जाती है, जिसकी दुग्ध-उत्पादन क्षमता लगभग 1330 कि.ग्रा. तक होती है।

<p>(c) केवल 1 और 3</p> <p>(d) केवल 3</p>	<p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> ‘जर्सी’, ‘हॉल्स्टीन’ और ‘भूरा स्विस’ आदि भारत में पायी जाने वाली गाय की प्रमुख विदेशी नस्लें हैं। इन विदेशी प्रजातियों का उपयोग भारतीय गायों की किस्मों के साथ संकर प्रजाति उत्पन्न करने में किया गया है, जिससे अच्छी नस्ल की गायों का उत्पादन होता है।
<p>24. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:</p> <p>नस्ल - पशु</p> <ol style="list-style-type: none"> देओनी - गाय सुर्ती - भेंड़ जाफराबादी - बकरी टोडा - भैंस <p>उपर्युक्त में से कितने युग्म सुमेलित हैं?</p> <p>(a) तीन युग्म</p> <p>(b) चार युग्म</p> <p>(c) एक युग्म</p> <p>(d) दो युग्म</p>	<p>24. उत्तर -(d)</p> <ul style="list-style-type: none"> देओनी - इसे डोंगरपट्टी के नाम से भी जाना जाता है। यह मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में पायी जाती है। यह गाय की एक प्रमुख प्रजाति है। सुर्ती - यह गुजरात में पायी जाने वाली भैंस की प्रजाति है, जो लगभग 2000 कि.ग्रा. तक दुग्ध उत्पादन करती है। जाफराबादी - गुजरात में पायी जाने वाली भैंस की यह अत्यधिक दुधारू प्रजाति है, जो प्रतिदिन 16 कि.ग्रा. दूध देती है। टोडा - नीलगिरि में पायी जाने वाली भैंस की एक प्रजाति है। यह प्रतिदिन लगभग 7 कि.ग्रा. तक दूध देती है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <p>भारतीय भैसों की प्रमुख किस्में</p> <ul style="list-style-type: none"> मुरी - ये सबसे प्रमुख किस्म है। इसे दिल्ली भैस के नाम से भी जाना जाता है। दस महीने की अवधि में इसका औसतन दुग्ध उत्पादन 1500 कि.ग्रा. से लेकर 2000 कि.ग्रा. तक होता है। मुरी भैस मुख्य रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पायी जाती है। नीली-राकी - यह भैंस पंजाब में पायी जाती है। यह 250 दिन में लगभग 1600 कि.ग्रा. तक दूध देती है। भदावरी - यह उत्तर प्रदेश की देशी भैंस है, जो मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी पायी जाती है। यह 305 दिनों की दुग्ध-उत्पादन अवधि में 2000 कि.ग्रा. से अधिक दूध देती है। नागपुरी - भैस की इस प्रजाति को गुलानी, बेरारी, गौली आदि नामों से भी जाना जाता है। यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र में पायी जाती है, जो 1000 कि.ग्रा. तक दुग्ध उत्पादन करती है।
<p>25. ‘राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड’ के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> यह भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। इसका मुख्यालय हरियाणा के ‘करनाल’ शहर में है। इसकी स्थापना वर्ष 1985 में की गयी थी। <p>उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?</p> <p>(a) केवल दो</p>	<p>25. उत्तर -(b)</p> <p>राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB)</p> <ul style="list-style-type: none"> सहकारिता के माध्यम से डेयरी विकास के संवर्धन, नियोजन एवं संगठन हेतु वर्ष 1965 में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) की स्थापना की गयी थी। यह भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। इसका मुख्यालय गुजरात के ‘आनन्द’ शहर में है। इसकी स्थापना ‘मिल्क मेन’ के उपनाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन ने की थी। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) द्वारा वर्ष 1970 में ‘ऑपरेशन फ्लड’ की शुरुआत की गयी थी।

<p>(b) केवल एक (c) सभी तीन (d) कोई नहीं</p>	<ul style="list-style-type: none"> डॉ. वर्गीज कुरियन को भारत में श्वेत क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है। वर्तमान में भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है।
<p>26. निम्नलिखित में से कितने संस्थान का मुख्यालय 'राजस्थान' राज्य में है?</p> <ol style="list-style-type: none"> केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान भेड़ एवं ऊन प्रशिक्षण संस्थान केन्द्रिय ऊन विकास बोर्ड केन्द्रिय ऊन विक्षेपण प्रयोगशाला <p>कूट: (a) सभी चार (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) केवल एक</p>	<p>26. उत्तर -(a) प्रमुख भेड़ संस्थाएं</p> <ul style="list-style-type: none"> केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान - टोंक जिला, (राजस्थान) भेड़ एवं ऊन प्रशिक्षण संस्थान - जयपुर (राजस्थान) केन्द्रिय ऊन विकास बोर्ड - जोधपुर (राजस्थान) केन्द्रिय ऊन विक्षेपण प्रयोगशाला - बीकानेर (राजस्थान) <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> मेरिनो, ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली भेड़ की एक किस्म है। जिससे अच्छी किस्म का ऊन प्राप्त होता है। मुख्य रूप से यह मर्ने-डार्लिंग बेसिन में पाई जाती है। यह 'golden footed sheep' भी कही जाती है।
<p>27. निम्नलिखित में से कौन-सी 'भेड़' की नस्ल/नस्लें हैं/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> गुरेज नैल्लोर दक्कनी चोकला <p>कूट: (a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4 (c) 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 3 और 4</p>	<p>27. उत्तर -(c) भारतीय भेड़ की नस्लें</p> <ul style="list-style-type: none"> दूध हेतु उपयोग में लायी जाने वाली – लोही, कूका, गुरेज, नुरेज। मांस हेतु उपयोग में लायी जाने वाली – हसन, नैल्लोर, जालौनी, मांड्या, शाहवादी, बजरी। ऊन हेतु उपयोग में लायी जाने वाली – बीकानेरी, बैलारी, चोकला, जालौनी, भाकरवाल, मागरा, काठियावाड़ी, मारवाड़ी, भादरवाल, मालपुरा, दक्कनी। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> कॉक्रेज, थारपारकर, मालवी, नागोरी, जर्सी, पोंवार, देवनी, निमाड़ी आदि गायों की नस्लें भारत में पाई जाती हैं। भारत में भैंसों की प्रमुख किस्मों में मुरी, भदावरी, नागपुरी, सुर्ती, मेहसाना, नीली-रावी तथा पट्टारपुरी आदि प्रमुख हैं।
<p>28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> विश्व प्रसिद्ध 'अंगोरा ऊन' खरगोश से प्राप्त होती है। अंगोरा ऊन से विश्व प्रसिद्ध 'पश्मीना शॉल' को बुना जाता है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (a) केवल 2 (b) 1 और 2 दोनों (c) न तो 1, न ही 2</p>	<p>28. उत्तर -(d)</p> <ul style="list-style-type: none"> विश्व प्रसिद्ध अंगोरा ऊन खरगोश से प्राप्त होती है। अंगोरा ऊन अत्यधिक मुलायम बुनने वाला रेशा है जो अंगोरा (Angora) खरगोशों के बालों ऊपरी त्वचा से बनता है। ऊन देने वाले खरगोश में अंगोरा खरगोश सबसे प्रसिद्ध है। अंगोरा खरगोश और अंगोरा बकरी दोनों के नाम भले ही एक ही हों लेकिन दोनों से प्राप्त ऊन में अंतर होता है। असली अंगोरा ऊन खरगोश से निकाले जाते हैं और अंगोरा बकरी से निकाले गये ऊन को 'मोहेयर' कहा जाता है। पश्मीना नाम एक फारसी शब्द "पश्म" से लिया गया है, जिसका अर्थ है एक रीतिबद्ध तरीके से ऊन की बुनाई। पश्मीना बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ऊन हिमालय के अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में पायी जाने वाली 'कश्मीरी

<p>(d) केवल 1</p>	<p>बकरी की एक विशेष नस्ल से प्राप्त होती है।</p> <p>अतिरिक्त ज्ञान: राष्ट्रीय पशुधन मिशन</p> <ul style="list-style-type: none"> इस मिशन को वर्ष 2014-15 में लॉन्च किया गया था। इस मिशन का उद्देश्य पशुधन उत्पादन प्रणालियों में मात्रात्मक और गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करना तथा सभी हितधारकों की क्षमता में सुधार करना है। 		
<p>29. निम्नलिखित में से कितनी बकरियों की प्रमुख नस्ल/नस्लें हैं/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> बीटल बारबरी सिरोही मगरा <p>कूट:</p> <p>(a) केवल तीन</p> <p>(b) सभी चार</p> <p>(c) केवल एक</p> <p>(d) केवल दो</p>	<p>29. उत्तर -(a)</p> <ul style="list-style-type: none"> बकरियों की प्रमुख नस्लें - जमुनापारी, ब्लैक बेंगाल, बारबरी, बीटल, सिरोही, मारवाड़ी, चंगथगी, चेगु, गंजम, उस्मानाबादी। दुधारू बकरियों की नस्लें हैं - जमुनापारी और बारबरी, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा में मिलती हैं। ओस्मानाबादी - इस नस्ल का भी पालन ज्यादातर मांस के लिए ही किया जाता है। महाराष्ट्र के उस्मानाबाद, परभणी, अहमदनगर और सोलापुर जिले में इस नस्ल का पालन होता है। काले रंग ये बकरी साल में दो बार बच्चे देती है। मगरा नस्ल की भेड़ - यह भेड़ सर्वाधिक बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर जिलों में पाई जाती है। इनकी ऊन से कालीन (चटाई) बनाई जाती है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> सुअर की कुछ प्रसिद्ध नस्लें हैं- ह्वाइट यार्कशायर, बर्कशायर, टैमवॉर्थ (सभी इंग्लैंड में), चेस्टर ह्वाइट और ड्यूरोक (संयुक्त राज्य अमेरिका में) लैण्डरेंस (डेनमार्क में)। 		
<p>30. निम्नलिखित में से कौन-सी गाय की प्रमुख नस्ल/नस्लें हैं/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> चिटागोंग कड़कनाथ झारसीम <p>कूट:</p> <p>(a) केवल 1</p> <p>(b) केवल 2 और 3</p> <p>(c) केवल 3</p> <p>(d) कोई नहीं</p>	<p>30. उत्तर -(d)</p> <ul style="list-style-type: none"> चिटागोंग नस्ल (Chittagong) – यह नस्ल सबसे ऊँची नस्ल मानी जाती है। इसे मलय चिकन के नाम से भी जाना जाता है। कड़कनाथ नस्ल (Kadaknath) – इस नस्ल का मूल नाम कलामासी है, जिसका अर्थ काले मांस वाला पक्षी होता है। कड़कनाथ नस्ल मूलतः मध्य प्रदेश में पाई जाती है। इस नस्ल के मीट में 25% प्रोटीन पायी जाती है जो अन्य नस्ल के मीट की अपेक्षा अधिक है। झारसीम नस्ल – यह झारखंड की मूल दोहरी उद्देश्य नस्ल है इसका नाम वहाँ की स्थानीय बोली से प्राप्त हुआ है। ये कम पोषण पर जीवित रहती है और तेज़ी से बढ़ती है। इस नस्ल की मुर्गियाँ उस क्षेत्र के जनजातीय आबादी के आय का स्रोत है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत के अधिकतर व्यापारिक अंडा फार्म में एस्ट्रो ह्वाइट नस्ल की मुर्गी के अंडे का उपयोग किया जाता है जो 'ऑस्ट्रेलॉप' नर और 'लेगहॉर्न' मादा की संकर प्रजाति है। 		
<p>31. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिये:</p> <table border="1" data-bbox="97 1944 549 2022"> <tr> <td>सूची I</td> <td>सूची II</td> </tr> </table>	सूची I	सूची II	<p>31. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> विटीकल्चर - अंगूरों का उत्पादन सेरीकल्चर - रेशम उत्पादन के लिए ओलिवीकल्चर - जैतून की कृषि
सूची I	सूची II		

A. विटीकल्चर	1. मछली पालन की क्रिया
B. सेरीकल्चर	2. जैतून की कृषि
C. ओलिवीकल्चर	3. रेशम उत्पादन के लिए
D. पिसीकल्चर	4. अंगूरों का उत्पादन

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

- (a) A-1, B-2, C-4, D-3
 (b) A-4, B-3, C-2, D-1
 (c) A-2, B-1, C-4, D-3
 (d) A-2, B-3, C-4, D-1

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में केवल 'मलबरी किस्म' के रेशम का उत्पादन किया जाता है।
2. चीन के बाद विश्व में प्राकृतिक रेशम उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
 (b) न तो 1, न ही 2
 (c) केवल 2
 (d) 1 और 2 दोनों

33. 'नीली क्रांति' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका संबंध 'मत्स्य उत्पादन' की तीव्र वृद्धि से है।
2. भारत में इसकी शुरुआत चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान की गयी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
 (b) 1 और 2 दोनों
 (c) न तो 1, न ही 2
 (d) केवल 1

- पिसीकल्चर - मछली पालन की क्रिया

अतिरिक्त ज्ञान:

- हॉर्टीकल्चर - बागवानी फसलों की कृषि
- एपीकल्चर - शहद उत्पादन हेतु मधुमक्खी पालन
- फ्लोरीकल्चर - फूलों की कृषि
- सिल्वीकल्चर - वन के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित
- पोमोलॉजी - फल विज्ञान
- मोरीकल्चर - रेशम कीट हेतु शहतूत की कृषि
- वर्मीकल्चर - केंचुआ पालन
- ओलेरीकल्चर - पौष्टिक शाक सब्जियों की कृषि

32. उत्तर -(c)

- भारत रेशम की सभी 5 ज्ञात वाणिज्यिक किस्मों मलबरी, ट्रापिकल तसर, इरी, मूंगा और ओक टसर का उत्पादन करने वाला एकमात्र देश है।
- चीन के बाद विश्व में प्राकृतिक रेशम उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- भारत विश्व के कुल रेशम उत्पादन का लगभग '18 प्रतिशत भाग' उत्पादित करता है। जबकि विश्व के 'मलबरी किस्म' के रेशम का लगभग 90 प्रतिशत भाग भारत उत्पादित करता है।
- भारत का सबसे बड़ा रेशम उत्पादक राज्य 'कर्नाटक' है।

33. उत्तर -(d)

नीली क्रांति

- यह वर्ष 1960 के मध्य के दशक से वर्तमान तक मत्स्यपालन उद्योग में विश्वभर में तीव्र विकास का समय संदर्भित करता है।
- भारत में इसकी शुरुआत 7वीं पंचवर्षीय योजना से हुई थी जो वर्ष 1985 से 1990 के बीच कार्यान्वित की गई। इस दौरान सरकार ने फिश फार्मर्स डेवलपमेंट एजेंसी (FFDA) को प्रायोजित किया।
- 8वीं पंचवर्षीय योजना (वर्ष 1992 से 1997) के दौरान सघन मरीन फिशरीज़ प्रोग्राम शुरू किया गया जिसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों से सहयोग को प्रोत्साहित किया गया।

अतिरिक्त ज्ञान:

- आंतरिक जलीय क्षेत्र को स्वच्छ जलीय क्षेत्र माना जाता है। इसके अंतर्गत नदियां, नहरें, तालाब, झीलें इत्यादि आते हैं।

	<ul style="list-style-type: none"> • रोहू, कतला, मशीर, मुराल, भिंगल इत्यादि स्वच्छ जल में पाली जाने वाले मछलियां हैं।
<p>34. भारत में प्रथम 'पशु संगणना' किस वर्ष की गयी थी?</p> <p>(a) 1919 (b) 1937 (c) 1951 (d) 1963</p>	<p>34. उत्तर -(a) भारत में 'पशु संगणना'</p> <ul style="list-style-type: none"> • देश में पशुधन गणना 'वर्ष 1919-20' से ही समय-समय पर की जाती रही है। पशुधन गणना में सभी पालतू जानवरों और उनकी संख्या को कवर किया जाता है। • प्रत्येक 5 वर्ष में पशु गणना की जाती है। • स्वतंत्रता के पश्चात् पहली पशु गणना वर्ष 1951 में की गई थी। <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • 20वीं पशु संगणना के अनुसार पश्चिम बंगाल में पशुओं की संख्या में सबसे अधिक (23%) की वृद्धि हुई, उसके बाद तेलंगाना (22%) का स्थान रहा। • 20वीं पशु संगणना के अनुसार 'उत्तर प्रदेश' में मवेशियों की आबादी में सबसे ज्यादा कमी देखी गई है।
<p>35. अद्यतन आंकड़ों के अनुसार भारत के निम्नलिखित राज्यों को दूध उत्पादन के अनुसार घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिये?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. उत्तर प्रदेश 2. राजस्थान 3. मध्य प्रदेश 4. गुजरात <p>कूट: (a) 1, 3, 2, 4 (b) 1, 2, 3, 4 (c) 2, 3, 1, 4 (d) 2, 1, 3, 4</p>	<p>35. उत्तर -(b) भारत में दूध उत्पादन</p> <ul style="list-style-type: none"> • पशु एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (मार्च 2022-फरवरी 2023) के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान देश में कुल दूध उत्पादन 230.58 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले 5 वर्षों की तुलना में 22.81% की वृद्धि दर्ज करता है, जबकि 2018-19 में यह 187.75 मिलियन टन था। इसके अलावा, 2022-23 के दौरान उत्पादन में 2021-22 के अनुमानों की तुलना में 3.83% की वृद्धि हुई है। अतीत में, वार्षिक वृद्धि दर 2018-19 में 6.47%, 2019-20 में 5.69%, 2020-21 में 5.81% और 2021-22 में 5.77% थी। • 2022-23 के दौरान सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश था, जिसकी कुल दूध उत्पादन में हिस्सेदारी 15.72% थी, उसके बाद राजस्थान (14.44%), मध्य प्रदेश (8.73%), गुजरात (7.49%) और आंध्र प्रदेश (6.70%) का स्थान था। • वार्षिक वृद्धि दर (AGR) के संदर्भ में, पिछले वर्ष की तुलना में सबसे अधिक AGR कर्नाटक (8.76%) द्वारा दर्ज की गई, उसके बाद पश्चिम बंगाल (8.65%) और उत्तर प्रदेश (6.99%) का स्थान रहा। <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u> भारत में अंडा उत्पादन</p> <ul style="list-style-type: none"> • 2022-23 के दौरान देश में कुल अंडा उत्पादन 138.38 बिलियन रहने का अनुमान है। पिछले 5 वर्षों में 33.31% की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि 2018-19 के दौरान 103.80 बिलियन उत्पादन का अनुमान था। इसके अलावा, 2021-22 की तुलना में 2022-23 के दौरान उत्पादन में सालाना

6.77% की वृद्धि हुई है। पिछले साल 2018-19 में वार्षिक वृद्धि दर 9.02% थी; 2019-20 में 10.19%; 2020-21 में 6.70% और 2021-22 में 6.19% थी।

- कुल अंडा उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान आंध्र प्रदेश का है, जिसकी हिस्सेदारी कुल अंडा उत्पादन में 20.13% है। इसके बाद तमिलनाडु (15.58%), तेलंगाना (12.77%), पश्चिम बंगाल (9.94%) और कर्नाटक (6.51%) का स्थान है। AGR के मामले में सबसे अधिक वृद्धि दर पश्चिम बंगाल (20.10%) में दर्ज की गई, उसके बाद सिक्किम (18.93%) और उत्तर प्रदेश (12.80%) का स्थान है।

36. निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिए:

1. रजत क्रांति - अण्डा उत्पादन
2. धूसर क्रांति - उर्वरक उत्पादन
3. काली क्रांति - पेट्रोलियम उत्पादन
4. गुलाबी क्रांति - झींगा मछली उत्पादन

उपर्युक्त में से कितने युग सुमेलित है?

- (a) दो युग
- (b) एक युग
- (c) चार युग
- (d) तीन युग

36. उत्तर -(c)

- रजत क्रांति - अण्डा उत्पादन
- धूसर क्रांति - उर्वरक उत्पादन
- काली क्रांति - पेट्रोलियम/खनिज तेल/कोयला व एथेनॉल उत्पादन
- गुलाबी क्रांति - प्याज व झींगा मछली उत्पादन

अतिरिक्त ज्ञान:

भारत में कृषि क्रांतियों के उपनाम

- हरित क्रांति - कृषि विकास को बढ़ावा देना।
- श्वेत क्रांति - दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी विकास को बढ़ावा देना।
- नीली क्रांति - मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना।
- पीली क्रांति - तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना।
- गुलाबी क्रांति - झींगा उत्पादन को बढ़ावा देना।
- भूरी क्रांति - ऊन, चमड़ा अथवा उर्वरक उत्पादन में वृद्धि हेतु।
- बादामी क्रांति - मसालों के उत्पादन एवं निर्यात में वृद्धि हेतु।
- लाल क्रांति - टमाटर अथवा मांस उत्पादन में वृद्धि।
- काली क्रांति - पेट्रोलियम/बायोडीजल उत्पादन में वृद्धि।
- स्वर्णिम (Golden) क्रांति - हॉर्टीकल्चर को बढ़ावा देना।
- रजत (Silver) क्रांति - अंडा उत्पादन को बढ़ावा देना।
- इन्द्रधनुष क्रांति - उपर्युक्त सभी क्रांतियों पर बल।
- अमृत क्रांति - नदी-जोड़ो परियोजनाओं को बढ़ावा देना।

37. मकड़ियों द्वारा उत्पादित रेशम को किस नाम से जाना जाता है?

- (a) मलबरी
- (b) टसर
- (c) इरी
- (d) गॉसमिर

37. उत्तर -(d)

- मकड़ियों द्वारा उत्पादित रेशम को 'गॉसमिर' के नाम से जाना जाता है, यह मकड़ियों द्वारा काता गया प्रोटीन फाइबर है।
- इसकी मांग और अनुपलब्धता के कारण, इसने 'होली ग्रेल' उपनाम भी हासिल कर लिया है।
- यह रेशम मकड़ी की ग्रंथियों से आता है और लचीला और हल्का दोनों है।

अतिरिक्त ज्ञान:

रेशम (Silk)

- विश्व में रेशम का सर्वप्रथम प्रचलन चीन में हुआ।
- भारत प्राकृतिक रेशम के उत्पादन में विश्व में चीन के बाद द्वितीय स्थान रखता है।
- भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ पर रेशम की सभी पाँचों जात किस्में पाई जाती हैं - मलबरी, ट्रॉपिकल टसर, ओक टसर, मूगा एवं इरी।
- देश में सबसे ज्यादा उत्पादन मलबरी तथा सबसे कम मूगा किस्म का होता है।
- केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान - बहरामपुर (पश्चिम बंगाल)
- केंद्रीय मूगा इरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान - जोरहाट (असम)
- केंद्रीय टसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान - राँची (झारखंड)

38. 'ई-नाम' (eNAM) पोर्टल के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कृषि उपज के लिये अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल है।
2. इसे वर्ष 2020 में लॉन्च किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2 दोनों
(b) केवल 1
(c) न तो 1, न ही 2
(d) केवल 2

38. उत्तर -(b)

'ई-नाम' (eNAM) पोर्टल

- केंद्र सरकार द्वारा अप्रैल 2016 में 'ई-नाम' (eNAM) नामक पोर्टल की शुरुआत की गई थी।
- राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (eNAM) एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल है जो कृषि उपज के लिये एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार बनाने के लिये मौजूदा APMC मंडियों को एकीकृत करता है।
- लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ (SFAC) भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में eNAM को लागू करने वाली प्रमुख एजेंसी है।
- इसके तहत किसान अपने नज़दीकी बाज़ार से अपने उत्पाद की ऑनलाइन बिक्री कर सकते हैं तथा व्यापारी कहीं से भी उनके उत्पाद के लिये मूल्य चुका सकते हैं।
- इसके परिणामस्वरूप व्यापारियों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे प्रतिस्पर्धा में भी बढ़ोतरी होगी।
- इसके माध्यम से मूल्यों का निर्धारण भली-भाँति किया जा सकता है तथा किसानों को अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा।

अतिरिक्त ज्ञान:

- भारत को कुल 15 एग्रो क्लाइमेटिक ज़ोन में बाँटा गया है, जबकि देश में एग्रो-इकोलॉजिकल क्षेत्रों की संख्या 20 है।
- देश में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1960 में पंतनगर (उत्तराखंड) में की गई थी।
- 'भारतीय कृषि का इतिहास' नामक पुस्तक 'एम.एस. रंधावा' द्वारा लिखी गई है।

39. 'लौंग' (Clove) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे मूलतः भारत की पश्चिमी घाट की पहाड़ियों से उद्भूत माना जाता है।
2. एंटीबायोटिक गुणों से युक्त होने के कारण इसका प्रयोग चिकित्सा के क्षेत्र में भी किया जाता है।

39. उत्तर -(c)

लौंग (Clove)

- यह मूल रूप से इंडोनेशिया में उत्पादित मसाला है। किंतु वर्तमान में जांजिबार, मेडागास्कर, मलेशिया, श्रीलंका और भारत में भी उपजाया जाता है।
- इसके उत्पादन हेतु 25°C-35°C तापमान सहित 150 सेमी. से अधिक वार्षिक वर्षा सर्वोत्तम होती है।
- एंटीबायोटिक गुणों से युक्त होने के कारण इसका प्रयोग चिकित्सा के क्षेत्र में भी

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) न तो 1, न ही 2
- (c) केवल 2
- (d) 1 और 2 दोनों

किया जाता है।

- भारत में केरल और तमिलनाडु इसके प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

काली मिर्च (Black Pepper)

- काली मिर्च को मूलतः पश्चिमी घाट की पहाड़ियों से उद्भूत माना जाता है। इसे वर्तमान में इंडोनेशिया, मलेशिया, थाइलैंड, चीन, ब्राज़ील, कंबोडिया आदि देशों में भी उत्पादित किया जाता है।
- इसके उत्पादन हेतु 10°C-40°C तापमान तथा 125-200 सेमी. वर्षा सर्वोत्तम होती है।
- इसके कच्चे फलों को तोड़कर धूप में सुखाया जाता है। तत्पश्चात् सूखे हुए फल का मसाले के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- भारत में केरल काली मिर्च का प्रमुख उत्पादक राज्य है। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी छोटे स्तर पर इसका उत्पादन किया जाता है।
- परिरक्षक गुणों से युक्त होने के कारण इसे अचार, मीट पैकिंग आदि के साथ-साथ औषधीय क्षेत्रों में भी प्रयुक्त किया जाता है।

40. निम्नलिखित में से किसे/किन्हें तिलहनी फसलों के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है?

1. सूरजमुखी
2. बिनौला
3. अलसी
4. खेसारी

कूट:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) 1, 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) केवल 2, 3 और 4

40. उत्तर -(a)

तिलहन (Oilseeds)

- यह मुख्यतः खरीफ व रबी दोनों मौसमों की फसल है। तिलहन के अंतर्गत सरसों (प्रजाति-वरुणा, पीतांबरी, पूसा बोल्ड, जयकिसान), सोयाबीन, सूरजमुखी, नारियल, मूंगफली, बिनौला, अलसी, तिल आदि उगाई जाने वाली मुख्य फसलें हैं।
- मालवा पठार, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, गुजरात, राजस्थान के शुष्क भाग, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश भारत के प्रमुख तिलहन उत्पादक क्षेत्र हैं।
- देश की तिलहन की फसलों में मूंगफली सर्वप्रमुख है।

अतिरिक्त ज्ञान:

दलहन (Pulses)

- यह रबी व खरीफ की फसलें हैं। दालों के अंतर्गत अरहर, चना, मूंग, मसूर, मटर, उड़द, खेसारी आदि को शामिल किया जाता है।
- दालों का उत्पादन विविध तापक्रम, आर्द्रता व मृदा संबंधी दशाओं में किया जाता है। इनके उत्पादन हेतु कम नमी की आवश्यकता होती है अर्थात् इन्हें शुष्क परिस्थितियों में भी उगाया जा सकता है।